फार्मर फर्स्ट परियोजना के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, कैथल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा तीन दिवसीय (6–8 सितम्बर, 2017) प्रशिक्षण कार्यक्रम "फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक का महत्व" कृषि विज्ञान केन्द्र कैथल में आयोजित किया गया। फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत चयनित पांच गांवों मुंदड़ी, ग्योंग, कठवाड़, सांपली खेड़ी एवं भैणी माजरा के 57 किसानों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डा. प्रवेन्द्र श्योराण ने बताया कि धान–गेहूँ फसल चक्र में आने वाले कीड़े–मकोड़े, बीमारियों एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु कृषि रसायनों के चुनाव, प्रयोगात्मक उचित मात्रा एवं छिड़काव विधि, छिड़काव यंत्रों का रखरखाव एवं उनकी कार्यप्रणाली के साथ–साथ कृषि रसायन खरीदते एवं उनके विवेकपूर्ण प्रयोग हेतु समयबद्ध सावधानियाँ, सुरक्षा हेतु कार्यकलाप तथा मौसम अनुकूलता बारे जानकारी, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था ताकि महंगी दवाइयों के प्रयोग उपरांत अच्छा नियंत्रण एवं फसल उत्पादन के साथ–साथ अपेक्षित लाभ अर्जित हो सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कैथल के अध्यक्ष डा. रमेश वर्मा ने किसानों को इस प्रकार के प्रशिक्षण द्वारा वैज्ञानिक–कृषक संपर्क बढ़ाकर अपनी क्षमता एवं कौशल विकास कर कृषि समस्याओं के निवारण हेतु अपने विचार सांझा किये।

संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तारपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित किसानों को बताया कि संस्थान द्वारा विकसित लवण सहिष्णु प्रजातियों, मृदा एवं जल परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक प्रबंधन, संसाधन संरक्षण, भूजल रिचार्ज एवं बहुउद्देशीय कृषि मॉडल इत्यादि के अंगीकरण से लवणग्रस्त पारिस्थितिकीय तंत्रों में अधिक उत्पादन एवं आय संभव है। इसके साथ–साथ संस्थान के वैज्ञानिकों से पारस्परिक संपर्क कर अपनी कृषि समस्याओं का उचित समाधान करें ताकि वर्ष 2022 तक कृषि आय को दोगुना करके देश के प्रधानमंत्री का सपना साकार हो सके। इस मौके पर डा. अनिल कुमार ने अपने संबोधन में किसानों को सही मात्रा व सही समय पर कृषि रसायनों का उचित छिड़काव पद्धति अपनाकर अच्छा उत्पादन प्राप्त करने की सलाह दी। डा. प्रवेन्द्र श्योराण ने मंच संचालन एवं डा. आर. राजू ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

फार्मर फर्स्ट परियोजना
के अन्तर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम
" फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक का महत्व "

KRISHI VIGYAN KENDRA

फार्मर फर्स्ट परियोजना
के अन्तर्गत

फार्मर फर्स्ट परियोजना
के अन्तर्गत

फार्मर फर्स्ट परियोजना
के अन्तर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम
" फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक का महत्व "
दिनांक: 6-8 सितम्बर 2017
KRISHI VIGYAN KENDRA
KAITHAL

फार्मर फर्स्ट परियोजना
प्रशिक्षण कार्यक्रम